CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-267

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, बुधवार, 01 जनवरी 2025

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

परिश्रम के उपहार से ही मानव का जग में सत्कार होता है।'

किस्मत का गजब खेल! ज्वाइनिंग से पहले रिटायर हुई बिहार की ये महिला शिक्षिका

जमुई. बिहार के जमुई जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है जहां महिला शिक्षिका को ज्वाइनिंग लेटर तो मिला, लेकिन अपनी ज्वाइनिंग से ठीक एक दिन पहले सेवानिवृत्ति हो गई। दरअसल महिला शिक्षिका अनीता कुमारी की उम्र 60 वर्ष हो जाने के कारण उन्हें ज्वाइनिंग से एक दिन पहले ही रिटायरमैंट लेना पड़ा। बता दें कि शिक्षा विभाग के नियमानुसार, 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर स्वत सेवानिवृत्ति का प्रावधान है।

मिली जानकारी के अनुसार, खैरा प्रखंड की शिक्षिका अनीता कुमारी ने 2006 में बतौर पंचायत शिक्षिका जमुई जिले के खैरा प्रखंड स्थित शोभाखान प्लस टू हाई स्कूल में अपने करियर की शुरूआत की। 2014 में उन्होंने टीईटी परीक्षा पास की। 30 दिसंबर 2024 को, उन्हें विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र मिला और 1 जनवरी को हाई स्कूल में ज्वाइनिंग करनी थी, लेकिन उम्र के नियमों के चलते उन्हें ज्वाइनिंग से एक दिन पहले यानी 31 दिसंबर को रिटायरमैंट लेनी पड़ी। जिस कारण उन्हें विशिष्ट शिक्षिका के रूप में काम करने का मौका नहीं मिला। वहीं इस बारे में अनीता कुमारी ने कहा कि दुख इस बात का है कि विशिष्ट शिक्षक के रूप में काम करने का एक भी दिन नहीं मिला। इधर इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महेश कुमार ने कहा कि विभागीय नियमों के अनुसार, 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर शिक्षक के सेवानिवृत्ति का प्रावधान है।

बता दें कि 31 दिसंबर को खैरा के प्लस टू हाई स्कूल शोभाखान में अनीता कुमारी के लिए विदाई समारोह का कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें विदाई दी गई।

वैशाली के दियारा में नकली शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़

शराब बनाने का सामान व 91 बोतल नकली शराब भी बरामद

पटना, नए साल के अवसर पर कई लोग शराब के नशे में डूबकर जश्न मनाते हैं. लेकिन, अगर आप शराबबंदी वाले बिहार में हैं और नए साल के मौके पर शराब पीने की तैयारी कर रहे हैं तो आपको थोड़ा सावधान होने की जरूरत है. दरअसल बिहार में 2016 से ही शराबबंदी कानून लागू है. लेकिन, उसके बाद भी अवैध तरीके से शराब बनाने और पीने का काम चोरी छिपे किया जा रहा रहा है. हालांकि, समय-समय पर ऐसा करने वाले लोगों पर उत्पाद विभाग और पुलिस टीम की कार्रवाई भी देखने को मिलती है. ताजा मामला बिहार की राजधानी पटना से सटे खुशरुपुर से सामने आया है, जहां नकली शराब बनाने के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है.

दरअसल उत्पाद एवं मध निषेध की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर खुसरूपुर के खिरोधरपुर गंगा पार वैशाली जिले के दियारा इलाके में छापेमारी कर नकली शराब बनाने के मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. उत्पाद एवं मध निषेध की टीम ने मौके से 260 लीटर स्प्रिट, भारी मात्रा में शराब की खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर, पैकिंग मशीन, शराब बनाने में प्रयुक्त होम्योपैथिक दवा के अलावा 91 बोतल नकली शराब भी बरामद किया है.

नजारा देखकर उत्पाद विभाग के अधिकारी भी हैरान

हालांकि छापेमारी की भनक मिलते ही अवैध शराब कारोबारी मौके से फरार होने में सफल हो गए. बताया जाता है कि उत्पाद एवं मध निषेध की टीम को गुप्त सूचना मिली की खुसरूपुर के सामने गंगा पार वैशाली इलाके में अवैध शराब कारोबारियो द्वारा नकली शराब का निर्माण किया जा रहा है. सूचना मिलते ही उत्पाद एवं मध निषेध की टीम ने रेकी कर छापेमारी कर नकली शराब बनाने के कारोबार का भंडाफोड़ कर दिया. इस दौरान मौके की तस्वीरें देखकर उत्पाद विभाग की टीम भी हैरान रह गयी. मौके से नकली शराब बनाने के लिए 260 लीटर स्प्रिट, भारी मात्रा में शराब की खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर, पैकिंग मशीन, डिटर्जेंट, शराब बनाने में प्रयुक्त होम्योपैथिक दवा के अलावे 91 बोतल नकली शराब भी बरामद की गयी है.

ब्रांडेड के नाम पर बेची जा रही नकली शराब

उत्पाद एवं मध निषेध के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश की माने तो अवैध शराब कारोबारियो द्वारा ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली शराब का निर्माण किया जा रहा था. सहायक आयुक्त ने अवैध शराब कारोबारियो की पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिए जाने का भी भरोसा दिलाया है.

ना पिएंगे और ना पीने देंगे

लोगों ने शराबमुक्त गांव बनाने का लिया संकल्प

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, एक कहावत है ठेस लगने से बुद्धि बढ़ती है, इसका अर्थ है कि जबतक कोई नुकसान, कष्ट या फिर असफलता नहीं मिलती तक जीवन का अनुभव प्राप्त नहीं होता है. यह कहावत अब मोतिहारी के एक गांव में चरितार्थ होती दिख रही है. पूर्व में जहरीली शराब से मौत से लोगों ने सीख ली और अब शराब मुक्त गांव बनाने का फैसला लिया है.जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में लक्ष्मीपुर गांव के लोगों ने नया साल में नया संकल्प लिया है. शराब नहीं पीने, ना ही पिलाने और ना ही बेचने देने की कसम खायी है. मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने लोगों के इस पहल की सराहना की और उन्हें शपथ भी दिलायी. गांव के लोगों ने एक साथ संकल्प लिया.गांव के सभी महिला-पुरुष और जनप्रतिनिधियों ने एसपी के सामने हाथ उठाते हुए कहा हम लक्ष्मीपुर निवासी शपथ लेते हैं, ना शराब पीएंगे, ना शराब पीने देंगे, ना शराब बेचने देंगे. ग्रामीणों के शपथ लिए जाने के मौके पर जिला प्रशासन के अधिकारी ने लोगों का हौसला अफजाई की. कहा कि इस गांव के लोगों ने शराब का सेवन नहीं करने की शपथ ली है.

यह एक अछी पहल है. इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा. सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि अपने थाना क्षेत्र में दो-दो गांव को चिह्नित कर गांवों को शराब और ड्रग मुक्त बनाया जाएगा. गांव के लोगों ने स्वयं इस तरह का संकल्प लिया है. - स्वर्ण प्रभात, एसपी, मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिला में वर्ष 2023 में जहरीली शराब कांड में कई दर्जन लोगों की मौत हुई थी. तुरकौलिया प्रखंड के कई गांव में जहरीली शराब के सेवन से काफी लोगों की मौत हुई थी. लक्ष्मीपुर गांव के एक टोला में जहरीली शराब से चार लोगों ने अपनी जान गंवाई थी. इसी घटना से लोगों ने सीख ली.

आधुनिक तकनीक से होगी यहां पढ़ाई

नालंदा जिले के 84 अल्पसंख्यक विद्यालय भी बनेंगे मॉडर्न

नालंदा, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत जिले के 84 अल्पसंख्यक (उर्दू) विद्यालयों का कायाकल्प किया जाएगा. इस पहल से इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के साथ-साथ बचों को समग्र और तकनीकी शिक्षा देने का प्रयास किया जाएगा. इस परियोजना के तहत इन विद्यालयों में कई आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा, ताकि छात्रों को एक समृद्ध और आधुनिक शिक्षा मिल सके.

विद्यालयों में सभागार, पुस्तकालय और कंप्यूटर कक्ष का निर्माण

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के पदाधिकारी ने बताया कि इस परियोजना में विद्यालयों में सभागार, पुस्तकालय और कंप्यूटर कक्ष का निर्माण किया जाएगा. सभागार का निर्माण, छात्रों को विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगा. वहीं पुस्तकालय छात्रों को ज्ञानवर्धन के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराएगा. कंप्यूटर कक्ष की स्थापना से छात्रों को तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा, जिससे वे डिजिटल युग के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकेंगे.

आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा

इन विद्यालयों में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा, ताकि पढ़ाई को और प्रभावी बनाया जा सके. स्मार्ट क्लासरूम्स, इंटरएक्टिव बोर्ड्स, और मल्टीमीडिया उपकरणों का उपयोग

कर शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा. इस कदम से छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल कौशल भी मिलेगा, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा.

विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा में मिले बेहतर शिक्षा

विभागीय अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना पूरे जिले के 84 अल्पसंख्यक (उर्दू) विद्यालयों में लागू की जाएगी. इन विद्यालयों में विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा में बेहतर शिक्षा मिल सके. साथ ही, इन विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षा व्यवस्था को भी सशक्त किया जाएगा, ताकि वे छात्रों को उच स्तर की शिक्षा प्रदान कर सकें. इस परियोजना से न केवल बचों की शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि यह उन्हें एक समग्र दृष्टिकोण से शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा. अल्पसंख्यक समुदाय के बचों को अब शिक्षा के साथ-साथ एक उन्नत और तकनीकी दुनिया से जोड़ने की दिशा में यह एक अहम कदम साबित होगा.

बिहार के अररिया में युवती ने सुपारी देकर बैंककर्मी मंगेतर पर चलवाई गोली, मगर एक गलती पड़ गई भारी

अररियाः बिहार के अररिया में पुलिस ने एक युवती को उसके बॉयफ्रेंड के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। युवती पर अपने होने वाले पति (मंगेतर) पर गोली चलवाने का आरोप है। युवती का मंगेतर दीपक बैंक में काम करता है। दीपक पर 24 दिसंबर 2024 को बदमाशों ने गोली मार दी थी। हालांकि युवक की जान बच गई थी।

बैंक में काम करने वाले युवक से तय हुई थी शादी

जानकारी के मुताबिक, अररिया में एक युवती की बैंककर्मी लड़के के साथ शादी तय हुई थी। लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पहले तो अपराधियों को हायर किया और अपने होने वाले पति दीपक पर गोली चलवा दी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए युवती और उसके बॉयफ्रेंड ने अपराधियों को 50 हजार रुपये की सुपारी दी थी।

युवती समेत पांच लोग गिरफ्तार

अररिया पुलिस ने गोलीकांड पर बड़ा खुलासा करते हुए आरोपी युवती समेत 5 को गिरफ्तार किया है। अररिया एसपी अमित रंजन ने बताया कि इस कार्रवाई में 2 देसी पिस्टल, 2 मैगजीन, 4 कारतूस, 2 मोबाइल फोन और 30 हजार रुपये भी जब्त किया है।

24 दिसंबर को हुई थी वारदात

बता दें कि बीते 24 दिसंबर को पलासी थाना क्षेत्र में किशनगंज के रहने वाले बैंक कर्मी दीपक कुमार पर अपराधियों ने गोली चला दी थी। घायल दीपक की जान बच गई थी। एसपी के निर्देश पर स्ढ्ढञ्ज गठित कर गोलीकांड की जांच की जा रही थी।

इसलिए चलवाई थी गोली

जानकारी के अनुसार, युवती का एक लड़के के साथ चक्कर चल रहा था। वह अपने बॉयफ्रेंड से ही शादी करना चाह रही थी लेकिन परिजन इसके लिए राजी नहीं थे। परिजनों ने लड़की का रिश्ता बैंक में काम करने वाले लड़के के साथ तय कर दिया। परिजनों का यह फैसला युवती को मंजूर नहीं था। उसके मंगेतर को ही रास्ते से हटाने की सोची और उसकी हत्या की साजिश रची। हालांकि मंगेतर की जान बच गई और युवती का सारा प्लान ही फेल हो गया।